ये औरत

कु. प्रियंका कन्नौजिया
पुत्री श्री हरी दास,
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की

कौन कहता है औरत गुलाम है।
औरत तो मर्द से भी बलवान है।
माना कि उसके जन्म पर
खुशियाँ नहीं मनाते,
मिठाईयां नहीं बांटते,
दीये नहीं जलाते।
वो भी तो इन्सान है,
कौन कहता है। औरत गुलाम है।

माना कि उसके साथ,
फर्क भी किया जाता है।
लगाकर पाबन्दियां उसे,
दुख भी दिया जाता है।
पर फिर भी औरत महान है,
कौन कहता है। औरत गुलाम है।

माना कि उसे दहेज के लिए,
सताया जाता है।
कुछ लालची ससुराल वालों की तरफ से,
जलाया भी जाता है।
फिर भी औरत का इस जहान में सम्मान है,
कौन कहता है। औरत गुलाम है।

मैं प्रियंका औरतों के दुख को
देखती ही रही,
मौका भी न मिला
न दिल की बात कही।
औरत तो संसार की शान है।
कौन कहता है औरत गुलाम है।

* * *